

भारत सरकार और फ्रांसीसी गणराज्य की सरकार के बीच  
सांस्कृतिक, वैज्ञानिक और तकनीकी सहयोग के बारे में करार

भारत सरकार और फ्रांसीसी गणराज्य की सरकार,  
दोनों राज्यों के बीच शिक्षा, साहित्य, विज्ञान और  
कला के क्षेत्रों में विनिमय को सुगम बनाने और विकसित करने  
की इच्छा से,

एक दूसरे की भाषाओं और सम्यता की और अच्छी  
पारस्परिक जानकारी के निमित्त आवश्यक साधन जुटाने के लिए  
दृढ़-प्रतिज्ञ होकर,

आर्थिक और सामाजिक विकास की अभिवृद्धि करने की  
दृष्टि से, वैज्ञानिक और तकनीकी क्षेत्र में आपसी सहयोग के  
सामान्य ढाँचे को, संविदाकारी पत्रकारों के बीच समता के  
आधार पर, स्थापित करने की इच्छा से,

इस प्रकार सहमत हुई हैं :

भाग - 1

सांस्कृतिक सहयोग

अनुच्छेद - 1

संविदाकारी पत्रकार, निधियों की उपलब्धता के अन्वये  
संस्कृति, शिक्षा, कला तथा विज्ञान और तकनीकी सहयोग के  
क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ाने का प्रयत्न करेंगे ।

अनुच्छेद - 2

संविदाकारी पत्रकार, अपने-अपने विश्वविद्यालयों में  
और जहाँ तक सम्भव होगा अपनी स्नातकोत्तर संस्थाओं,  
उच्चतर माध्यमिक स्कूलों और अपनी तकनीकी, औद्योगिक और

वाणिज्यिक संस्थाओं में भी एक दूसरे की भाषा, साहित्य और सम्यता की शिक्षा को पारस्परिक आधार पर प्रोत्साहित करेंगे ।

वे मली भांति कई अध्यापकों का चयन करके, ऐसी शिक्षा के लिए उपयुक्त समय नियत करके और परीक्षा के स्तर ऊँचे रख कर, जहाँ तक सम्भव होगा, इस शिक्षा को विशेष स्थान देने का प्रयत्न करेंगे ।

### अनुच्छेद - 3

संविदाकारी पक्षकार, उन कर्मचारियों के, जिन्हें एक दूसरे के देश की भाषा और सम्यता का शिक्षण-कार्य सौंपा गया है, प्रशिक्षण का महत्व समझते हुए, स्तन्निमित्त पारस्परिक सहायता प्रदान करेंगे; विशिष्टतः वे, जहाँ तक सम्भव होगा, अध्यापकों का प्रशिक्षण आयोजित करेंगे और इस प्रयोजन के लिए प्राध्यापकों की व्यवस्था करेंगे ।

### अनुच्छेद - 4

हर एक संविदाकारी पक्षकार दूसरे देश द्वारा प्रायोजित सांस्कृतिक संस्थानों, केन्द्रों, संगमों, अनुसंधान केन्द्रों और शिक्षण संस्थापनों जैसी सांस्कृतिक या वैज्ञानिक संस्थाओं का अपने राज्यक्षेत्र में स्थापित किया जाना और कार्यचालन सुगम बनायेगा । इन संस्थाओं को सम्बद्ध देशों की विधियों के ढाँचे के अन्तर्गत अपने कार्यचालन के लिए अधिकतम सुविधारं प्राप्त होंगी ।

### अनुच्छेद - 5

संविदाकारी पक्षकार, जहाँ तक सम्भव होगा, प्रोफेसरों और अन्य विश्वविद्यालय-अध्यापकों, विद्यार्थियों, अनुसन्धान-कर्ताओं, तथा विश्वविद्यालय के तथा विश्वविद्यालयेतर सांस्कृतिक दलों की व्यवस्था या उनका विनिमय आयोजित करेंगे ।

अनुच्छेद - 6

उपर्युक्त अनुच्छेद 5 में वर्णित विनियमों को कार्यान्वित करने के लिए हर एक संविदाकारी पदाकार, अपने राज्यक्षेत्र में अध्ययन करने अथवा उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त करने के इच्छुक दूसरे पदाकार के विद्यार्थियों और अनुसंधान-कर्ताओं के लिए छात्रवृत्तियों के अनुदान बढ़ाने का प्रयत्न करेगा। छात्रों का चयन एक चयन-समिति द्वारा किया जाएगा जिसमें दूसरे देश की सरकार का प्रतिनिधित्व एक नामनिर्देशिनी करेगा।

अनुच्छेद - 7

संविदाकारी पदाकार दोनों में से किसी भी पदाकार के राज्यक्षेत्र में किए गए अध्ययनों को, पास की गयी प्रतियोगितात्मक या अन्य परीक्षाओं को और इस प्रकार अभिप्राप्त डिग्रियों और डिप्लोमाओं को आंशिक या पूर्ण समतुल्यता प्रदान करने के उपाय खोजने का प्रयत्न करेंगे।

अनुच्छेद - 8

संविदाकारी पदाकार अपनी-अपनी संस्कृतियों के सम्बन्ध में ज्ञानवर्द्धन के अभिप्राय से कन्सर्ट, प्रदर्शनियां, नाट्य-प्रदर्शन और सांस्कृतिक समारोह करने के लिए एक दूसरे को सभी सम्भव सुविधाएं देने का प्रयत्न करेंगे।

अनुच्छेद - 9

संविदाकारी पदाकार, अपने-अपने राज्यक्षेत्रों में निम्नालिखित के लाये जाने और वितरित किए जाने के लिए अपने-अपने देश में प्रचलित विधियों के अनुसार पारस्परिक रूप से सुविधा प्रदान करेंगे :

(क) चलचित्र, संगीत (स्वरलिपि या रिकार्डिंग)



## अनुच्छेद - 6

उपर्युक्त अनुच्छेद 5 में वर्णित विनियमों को कार्यान्वित करने के लिए हर एक संविदाकारी पदाकार, अपने राज्यक्षेत्र में अध्ययन करने अथवा उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त करने के इच्छुक दूसरे पदाकार के विद्यार्थियों और अनुसंधान-कर्ताओं के लिए छात्रवृत्तियों के अनुदान बढ़ाने का प्रयत्न करेगा। छात्रों का चयन एक चयन-समिति द्वारा किया जाएगा जिसमें दूसरे देश की सरकार का प्रतिनिधित्व एक नामनिर्देशिती करेगा।

## अनुच्छेद - 7

संविदाकारी पदाकार दोनों में से किसी भी पदाकार के राज्यक्षेत्र में किए गए अध्ययनों को, पास की गयी प्रतियोगितात्मक या अन्य परीक्षाओं को और इस प्रकार अभिप्राप्त डिग्रियों और डिप्लोमाओं को और इस प्रकार अभिप्राप्त डिग्रियों और डिप्लोमाओं को आंशिक या पूर्ण समतुल्यता प्रदान करने के उपाय खोजने का प्रयत्न करेंगे।

## अनुच्छेद - 8

संविदाकारी पदाकार अपनी-अपनी संस्कृतियों के सम्बन्ध में ज्ञानवर्द्धन के अभिप्राय से कन्सर्ट, प्रदर्शनियां, नाट्य-प्रदर्शन और सांस्कृतिक समारोह करने के लिए एक दूसरे को सभी सम्भव सुविधाएं देने का प्रयत्न करेंगे।

## अनुच्छेद - 9

संविदाकारी पदाकार, अपने-अपने राज्यक्षेत्रों में निम्नलिखित के लाये जाने और वितरित किए जाने के लिए अपने-अपने देश में प्रचलित विधियों के अनुसार पारस्परिक रूप से सुविधा प्रदान करेंगे :

(क) चलचित्र, संगीत (स्वरलिपि या रिकार्डिंग)

रेडियो और टेलीविजन सम्बन्धी सामग्री ; और  
(ख) कलाकृतियां और उनकी पुनरावृत्तियां ।

वे इस क्षेत्र में आयोजित सांस्कृतिक प्रदर्शनों और विनिमयों के लिए यथासम्भव सहायता देंगे ।

अनुच्छेद - 10

हर एक संविदाकारी पक्षकार दूसरे देश की वैज्ञानिक, तकनीकी, साहित्यिक और कलात्मक पुस्तकों तथा इन प्रकाशनों से सम्पृक्त सूची-पत्रों तथा पत्र-पत्रिकाओं के अधिकाधिक वितरण को वाणिज्यिक साधनों से तथा विनिमय और उपहारों के रूप में सुगम बनाने का प्रयत्न करेगा ।

भाग - 2

वैज्ञानिक और तकनीकी सहयोग

अनुच्छेद - 11

संविदाकारी पक्षकार अन्य बातों के साथ-साथ प्रशासन, शिक्षा, विज्ञान और औद्योगिकी के क्षेत्रों में दोनों राज्यों के बीच तकनीकी सहयोग को प्रशिक्षण और अनुसंधान मिशनों के माध्यम से आयोजित करने का विनिश्चय करते हैं ।

अनुच्छेद - 12

ऐसे सहयोग को क्रियान्वित करने के लिए हर एक सरकार, दूसरी सरकार के निवेदन पर -

(क) शिक्षण-कार्य, विनिर्दिष्ट समस्याओं पर तकनीकी सलाह देने, या प्रशिक्षण-पाठ्यक्रम आयोजित करने के लिए विशेषज्ञों को उसके नियंत्रण में देने का प्रयत्न करेगी ;

(ख) मूल और प्रयुक्त दोनों प्रकार के वैज्ञानिक और तकनीकी

अनुसंधान के कार्यक्रमों को पूरा करने में सहायता, विशेषतः इन क्षेत्रों में विशेषित संस्थाओं या निकायों की मदद से करने का प्रयत्न करेगी ;

(ग) छात्रवृत्तियों के अनुदान देने का तथा उन्नत प्रशिक्षण और रिफ्रेशर पाठ्यक्रमों की व्यवस्था करने का प्रयत्न करेगी ;

(घ) शैक्षिक पाठ्यक्रमों और व्यावसायिक प्रशिक्षण में दूसरे पत्रकार के राष्ट्रियों का भाग लेना सुनिश्चित करने का प्रयत्न करेगी ;

(ङ) वैज्ञानिक सम्मेलनों, परिसंवादों, आदि में भाग लेने के लिए उसके प्रतिनिधि आमंत्रित करने का प्रयत्न करेगी ; और

(च) साहित्य का प्रदाय करने का, व्याख्यान आयोजित करने का, और तकनीकी जानकारी के फिल्म अथवा प्रचार के अन्य साधन प्रस्तुत करने का प्रयत्न करेगी ।

#### अनुच्छेद - 13

हर एक संविदाकारी पत्रकार छात्रों के विनिमय और वैज्ञानिक तथा तकनीकी कर्मचारियों के लिए रिफ्रेशर और प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के आयोजन को सुगम बनाने के लिए आवश्यक कार्यवाही करेगा ।

#### भाग - 3

#### साधारण

#### अनुच्छेद - 14

हर एक संविदाकारी पत्रकार, प्रस्तुत करार में निर्धारित कृत्यों के पालनार्थ, दूसरे देश के राष्ट्रियों के निवास और गमनागमन को, अपनी विधियों के अनुसार, सुगम बनाएगा ।

#### अनुच्छेद - 15

एक संयुक्त आयोग, जिसमें दोनों सरकारों के बराबर-बराबर



वर्तमान करार हस्ताक्षरण की तारीख के तीस दिन पश्चात् प्रवृत्त होगा ।

जिसके प्रति निष्ठास्वरूप, दोनों सरकारों के प्रतिनिधियों ने वर्तमान करार पर हस्ताक्षर कर दिए हैं और अपनी-अपनी मुद्राएं लगा दी हैं ।

आज पेरिस में तारीख सात जून उन्नीस सौ छसठ को, दो प्रतियों में किया गया, एक प्रति भारत सरकार के लिए है और हिन्दी, फ्रांसीसी और अंग्रेजी में प्रारूपित की गई है तथा दूसरी प्रति फ्रांसीसी सरकार के लिए है तथा फ्रांसीसी, हिन्दी और अंग्रेजी में प्रारूपित की गई है । हिन्दी और फ्रांसीसी पाठ समान रूप से अधिकृत हैं ।

भारत सरकार के लिए

फ्रांसीसी गणराज्य की  
सरकार के लिए

*M. C. Chagla*

( मुहम्मद करीम मॉय चागला )

शिक्षा मंत्री, भारत सरकार

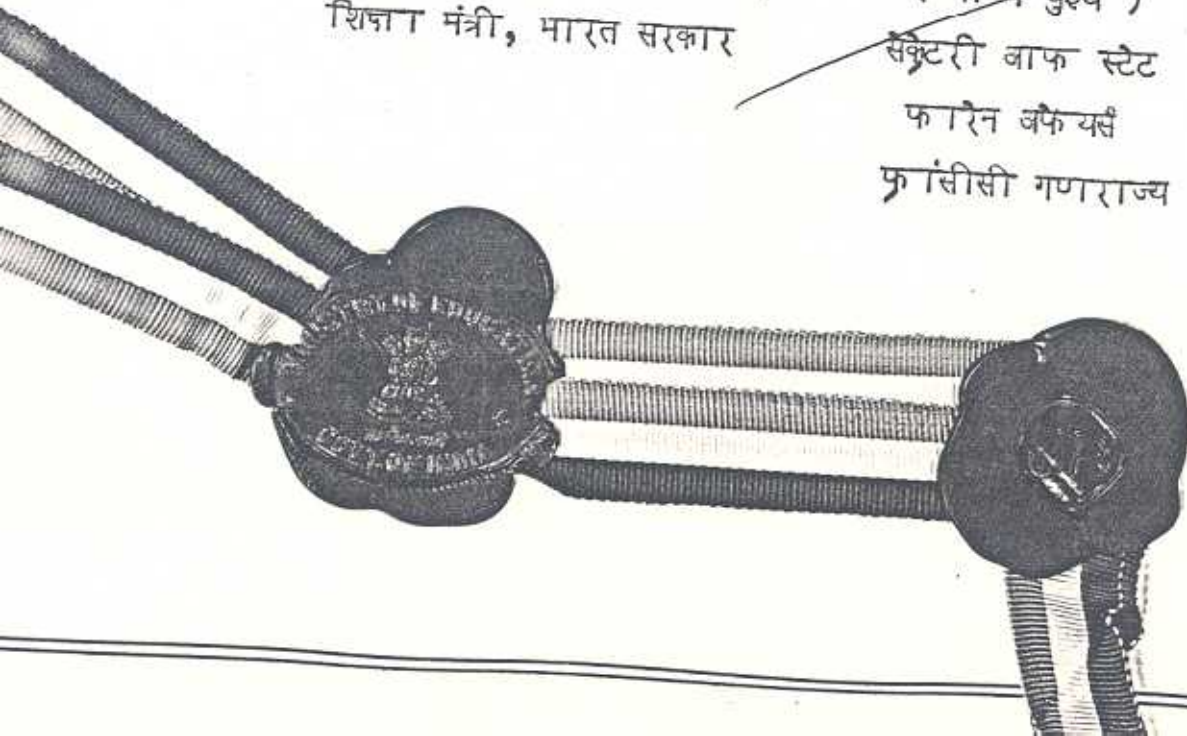
*J. de Wog*

( जाँ द बुह्य )

सिस्ट्री वाफ स्टेट

फारैन अफेयर्स

फ्रांसीसी गणराज्य



भारत सरकार और फ्रांसीसी गणराज्य की सरकार  
के बीच सांस्कृतिक, वैज्ञानिक और तकनीकी सहयोग के  
लिए आज 1966 के जून के सातवें दिन को हस्ताक्षरित  
करार से सम्बद्ध विज्ञानिक निबन्धनों का प्रोटोकॉल

इस प्रोटोकॉल के भाग 1 के प्रयोजन के लिए, 'विशेषज्ञ' शब्द से तकनीकज्ञ, विशेष जानकार, अनुसंधानकर्ता, अध्यापक, प्राध्यापक, वैज्ञानिक और अन्य व्यक्ति अभिप्रेत होंगे, जो दोनों सरकारों की सहमति से और आज हस्ताक्षरित सांस्कृतिक, वैज्ञानिक और तकनीकी सहयोग के करार की परिधि के अन्तर्गत भारत या फ्रांस जाते हैं।

'विशेषज्ञ' शब्द, दूसरे देश को भेजे गये और करार के अनुच्छेद 6 में निर्दिष्ट छात्रवृत्तिधारियों और प्रशिक्षणार्थियों को लागू न होगा।

#### भाग - 1

### विशेषज्ञों को लागू सामान्य प्रावधान

#### अनुच्छेद 1

एक मास की या लघुतर अस्तित्वावधि वाले मिशनों के लिए, वित्तपोषण की रीतियाँ, जब तक कि अन्यथा विनिर्दिष्ट न हों, निम्नलिखित होंगी :-

(क) उस राज्य की सरकार जो 'विशेषज्ञ' को भेजती है, उसके सम्बलम् और भेदे तथा उसके मिशन के स्थान तक और वहाँ से सामान के परिवहन सहित वापसी अन्तर्राष्ट्रीय यात्राओं के खर्च देगी।

(ख) आतिथ्यकर्ता देश की सरकार 'विशेषज्ञ' के भोजन और निवास के खर्च उठाएगी और आनुषंगिक व्ययों के लिए समुचित जब खर्च भेचा देगी।



अनुच्छेद 2

छह मास से अधिक की अस्तित्वावधि वाले मिशनों के लिए, विद्युत् पौषण की रीतियां, जब तक कि अन्यथा विनिर्दिष्ट न हों, निम्नलिखित होंगी :-

(क) उस राज्य की सरकार जो 'विशेषज्ञ' को भेजती है, उसके मिशन के स्थान तक उसका हवाई यात्रा खर्च तथा सामान परिवहन खर्च, जिसके अन्तर्गत आवश्यकता होने पर वायु मार्ग से 20 किलोग्राम तक अतिरिक्त सामान प्रभार आते हैं, देगी। उस देश की सरकार, जो विशेषज्ञ का आतिथ्य करता है, उन्हीं दशाजों में, उसके मिशन के स्थान से उस देश की जिसने उसे भेजा था, राजधानी तक संपूर्ण वापसी हवाई भाड़ा जिसके अन्तर्गत (वायुमार्ग से 20 किलोग्राम के अतिरिक्त प्रभार सहित) सामान परिवहन खर्च आता है, वहन करेगी।

(ख) आतिथ्यकर्ता देश की सरकार 'विशेषज्ञ' को स्थानीय करेंसी में उतने सम्बलम् और भत्ते देगी, जो समतुल्य पंक्ति वाले या समरूप कर्तव्यों का पालन करने वाले उसके अपने कर्मचारियों के सम्बलम् और भत्तों के बराबर हैं।

(ग) यदि 'विशेषज्ञ' एक वर्ष से अधिक के मिशन पर आता है, तो उस देश की सरकार, जो उसे भेजती है, उसके कुटुम्ब (पत्नी और बच्चों) का एक और का हवाई यात्रा खर्च तथा सामान परिवहन खर्च भी जिसके अन्तर्गत आवश्यकता होने पर वायु मार्ग से 30 किलोग्राम तक कुल अतिरिक्त प्रभार आता है, देगी। आतिथ्यकर्ता राज्य की सरकार, उन्हीं दशाजों में, 'विशेषज्ञ' के और उसके कुटुम्ब के वापसी यात्रा भाड़े और सामान परिवहन खर्च का भार ग्रहण करेगी।

अनुच्छेद 3

दोनों में से किसी भी देश के 'विशेषज्ञ' के फर्नीचर, निजी

बीजबस्त, एक यान और वृत्तिक उपस्कर को भारत और फ्रांस में शुल्कों और करों से छूट का फायदा भारतीय और फ्रांसीसी राज्यक्षेत्र में प्रवृत्त विनियमों के अधीन रहते हुए प्राप्त होगा।

अनुच्छेद 4

आतिथ्यकर्ता राज्य की सरकार, 'विशेषज्ञ' की, अपने कर्तव्यों के संसंग में आन्तरिक यात्रा के खर्चों को वहन करेगी और उसे उसके मिशन की निष्पत्ति के लिए आवश्यक साधन उपबंधित करेगी।

अनुच्छेद 5

(क) आतिथ्यकर्ता संस्थारं, संगठन, संस्थापन 'विशेषज्ञ' को छुट्टी, दीर्घवकाश, अवकाश-दिनों जैसे फायदे जो कि उनके नियमों और विनियमों के अधीन निर्धारित हैं, उपबंधित करेगी। वे उसे वे युक्तियुक्त सुविधारं भी देंगे जो उसके मिशन को पूरा करने के लिए आवश्यक हों, जैसे कि प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों का उपयोग।

(ख) यदि 'विशेषज्ञ' रुग्णावस्था के कारण कम से कम दो मास की कालावधि के दौरान निरन्तर अपने कर्तव्यों का पालन करने में समर्थ नहीं है, तो भेजने वाले देश की सरकार उसे समान प्रास्थिति और योग्यता वाले दूसरे 'विशेषज्ञ' से प्रतिस्थापित करने का प्रयास करेगी।

भाग 2

फ्रास्टिक कला प्रदर्शनियों को लागू प्रावधान

अनुच्छेद 6

(क) इस करार की परिधि के अन्तर्गत संगठित फ्रास्टिक कला

की प्रदर्शनियों के लाने-ले जाने से तथा बीमे से संसक्त व्यय भेजने वाले देश द्वारा वहन किए जाएंगे। यही बात उस क्ला सलाहकार के यात्रा खर्चों को लागू होती है, जो प्रदर्शनियों के साथ जाए।

(ख) आतिथ्यकर्ता पत्र सीमाशुल्क निकासी, खोलने और पुनः पैक करने, स्थानीय व्यवस्थाओं, विशिष्टतया परिसर के भाटक, स्थापना और प्रचार, देश में अन्य स्थानों को आन्तरिक परिवहन, प्रदर्शनियों की अस्तित्वावधि के लिए बीमे से संसक्त सभी व्यय तथा प्रदर्शनी के साथ रहने वाले क्ला सलाहकार द्वारा देश के अन्दर ठहरने और यात्रा से संसक्त व्यय वहन करेगा।

### भाग 3

#### साधारण

#### अनुच्छेद 7

हर एक संविदाकारी पत्रकार, दूसरी सरकार के सांस्कृतिक कार्यों या तकनीकी सहयोग से उत्पन्न विधीय समस्याओं के निपटारे को यावत्सम्भव सुकर करेगा। विशिष्टतया, वह इस करार के अधीन कर्मचारियों को दिए गए पारिश्रमिक में से युक्तियुक्त कर्तों, भेजने वाले देश को लौटाने की अनुज्ञा, इस सम्बन्ध में प्रसामान्य विनियम नियंत्रण विनियमों के अनुकूल देगा।

#### अनुच्छेद 8

हर एक संविदाकारी पत्रकार अपने आन्तरिक विधान के अध्याधीन रहते हुए उस सांस्कृतिक सामग्री और तकनीकी उपस्कार का निःशुल्क आयात अनुज्ञात करेगा, जो सांस्कृतिक, वैज्ञानिक और तकनीकी सहयोग करार की परिधि के अन्दर सांस्कृतिक और तकनीकी सहयोग के प्रयोजन के लिए दूसरी सरकार द्वारा दिया जाए।



अनुच्छेद 9

हर एक संविदाकारी पक्षकार, जहां तक सम्भव हो, उन सब समस्याओं के निष्कार को सुकर करेगा, जो ऐसे सांस्कृतिक या तकनीकी कार्यों से उत्पन्न हों, जिन्हें सांस्कृतिक, वैज्ञानिक और तकनीकी सहयोग करार की परिधि के अन्दर दूसरा पक्षकार करेगा ।

अनुच्छेद 10

करार को अद्यतन लागू करने में और उसके प्रोटोकॉल के आधार पर, पक्षकारों के बीच सांस्कृतिक, वैज्ञानिक और तकनीक सहयोग की कुछ रीतियों को विनिर्दिष्ट और समन्वित करने की दृष्टि से पूरक ठहराव किए जा सकेंगे ।

आज पैरिस में तारीख सात जून उन्नीस सौ ब्यासठ को व प्रतियों में किया गया, एक प्रति भारत सरकार के लिए है तथा हिन्दी, फ्रांसीसी और अंग्रेजी में प्रारूपित की गई है तथा दूसरी प्रति फ्रांसीसी सरकार के लिए है और फ्रांसीसी, हिन्दी और अंग्रेजी में प्रारूपित की गई है । हिन्दी और फ्रांसीसी पाठ समान रूप से अधिकप्रमाणित हैं ।

भारत सरकार के लिए

*M. C. Chagla*

(मुहम्मद करीम भाँय चागला)

शिक्षा मंत्री, भारत सरकार

फ्रांसीसी गणराज्य की

सरकार के लिए

*J. de Hoop*  
(जॉर्ज डे हुय)

सेक्रेटरी आफ स्टेट

फारेन अफेयर्स

फ्रांसीसी गणराज्य

AGREEMENT CONCERNING CULTURAL, SCIENTIFIC AND  
TECHNICAL COOPERATION BETWEEN THE GOVERNMENT OF  
INDIA AND THE GOVERNMENT OF THE FRENCH REPUBLIC

---

The Government of India and the Government of the  
French Republic,

Desirous of facilitating and developing exchanges  
between the two States in the fields of education, letters  
science, and arts,

Determined to work out the means necessary for a  
better mutual knowledge of each other's languages and  
civilisation,

Desirous of setting up, on the basis of equality  
between the Contracting Parties, the general framework  
of their cooperation in the scientific and technical field  
with a view to promoting economic and social development,

Have agreed as follows:-

PART - I

CULTURAL COOPERATION

ARTICLE - I

The Contracting Parties will endeavour, subject  
to the availability of funds, to develop their co-  
operation in the fields of culture, education, arts,  
as well as science and technical cooperation.

ARTICLE - II

The Contracting Parties will reciprocally promote the  
teaching of each other's language, literature and civilisation  
in their Universities and to the extent possible, in their  
post-graduate institutions, higher secondary schools and in  
their technical, industrial and commercial institutions.

They will endeavour, to the extent possible, to give a special place to this teaching by selecting well qualified teachers, by allotting suitable time to this teaching and by keeping high the standards of examination.

ARTICLE - III

The Contracting Parties, recognising the importance of the training of staff entrusted with the teaching of the language and civilisation of each other's country, will afford mutual help in this behalf; they will, in particular, organise, to the extent possible, the training of teachers and provide lecturers for the purpose.

ARTICLE - IV

Each Contracting Party will facilitate the setting up and functioning in its territory of cultural or scientific institutions, such as cultural institutes, centres, associations, research centres and teaching establishments, sponsored by the other country. These institutions will enjoy the maximum facilities for their functioning within the framework of the laws of the respective countries.

ARTICLE - V

The Contracting Parties will organise, to the extent possible, the supply or exchange of professors and other university teachers, students, research workers and university as well as non-university cultural groups.

ARTICLE - VI

In order to implement the exchanges mentioned in Article V above, each Contracting Party will try to expand the grant of scholarships to students and research workers of the other Party desirous of carrying on studies or



obtaining advanced training in its territory. The selection of scholars will be made through a Selection Committee which the Government of the other country will be represented by a nominee.

ARTICLE - VII

The Contracting Parties will endeavour to find the means of granting to the studies carried out, to examinations competitive or otherwise, passed and to the degrees and diplomas thus obtained in the territory of either party partial or full equivalence.

ARTICLE - VIII

The Contracting Parties will try to extend all possible facilities to each other for holding of concert exhibitions, theatrical performances and cultural functions meant for increasing the knowledge of their respective cultures.

ARTICLE - IX

The Contracting Parties will, in accordance with the prevailing laws of each country, reciprocally facilitate the entry and distribution in their respective territories of the following:-

- a) Cinematographic, musical (scores or recordings), radio and television material; and
- b) Works of art and their reproductions.

They will, to the extent possible, give assistance to cultural performances and exchanges organised in this field.

ARTICLE - X

Each Contracting Party will endeavour to facilitate a wider distribution of scientific, technical, literary and artistic books and catalogues concerning these publications and periodicals of the other country through arrangements.

as well as in the form of exchanges and gifts.

PART - II

SCIENTIFIC AND TECHNICAL COOPERATION

ARTICLE - XI

The Contracting Parties decide to organise technical cooperation between the two States in the fields of administration, education, science and technology, inter alia through training and research missions.

ARTICLE - XII

In order to carry out such cooperation, each Government will try, at the request of the other Government,

- a) to place at its disposal experts for teaching or technical advice on specific problems or organising training courses;
- b) to help in the realisation of programmes of scientific and technical research, both fundamental and applied, specially through the assistance of institutions or bodies specialised in these fields;
- c) to grant scholarships and arrange advanced training and refresher courses;
- d) to ensure the participation of nationals of the other party in academic courses and vocational training;
- e) to invite its representatives to participate in scientific conferences, symposia, etc; and
- f) to supply literature and arrange lectures, presentation of films or other means of propagation of technical information.

ARTICLE - XIII

Each Contracting Party will take necessary steps to facilitate exchange of students and organisation of refresher and training courses for scientific and technical personnel.

PART - III

GENERAL

ARTICLE - XIV

Each Contracting Party will facilitate, in accordance



with its laws, the stay and movement of the nationals of the other country in the performance of the functions as laid down in the present Agreement.

ARTICLE - XV

A Joint Commission, consisting of an equal number of representatives of both Governments and to which experts may be added, will meet in principle every two years by rotation in New Delhi, under an Indian Chairman, and in Paris, under a French Chairman.

The terms of reference of the Commission will be:-

- a) to keep under periodical review the working of the Agreement in the two countries;
- b) to advise the Governments concerned on the detailed manner of carrying out the Agreement;
- c) to formulate cultural, scientific, and educational exchange programmes and review their progress;
- d) to recommend to the Party concerned any items of interest to either Party in the fields within the scope of the Agreement; and
- e) generally to advise the Governments concerned as to the manner in which the working of the Agreement may be improved upon.

ARTICLE - XVI

Nothing in this Agreement shall be deemed to affect the provisions of the Treaty of Cession of the French Establishments of Pondicherry, Karikal, Mahe and Yanam of May 28, 1956, and the approved Franco-Indian minutes of March 16, 1963 relating to complementary provisions made thereto.

ARTICLE - XVII

The present Agreement shall remain in force for a period of five years. Thereafter it will be renewable by tacit agreement unless one of the Contracting Parties terminates it by giving notice of at least six months.



The present Agreement shall come into force 30 days after the date of signature.

IN FAITH WHEREOF, the representatives of the two Governments have signed the present Agreement and have put their respective seals.

Done at Paris this seventh day of June, one thousand nine hundred and sixty six, in duplicate, one copy meant for the Indian Government and drafted in Hindi, French and English and the other for the French Government in French, Hindi and English, the Hindi and the French texts being equally authentic.

For the Government  
of India

For the Government of  
the French Republic

(MOHAMEDALI CURRIM CHAGLA)  
Minister for Education

(JEAN DE BROGLIE)  
Secretary of State  
Foreign Affairs

*M. C. Chagla*

*Jean Broglie*

## P R O T O C O L

of Financial Terms relating to the Agreement for Cultural, Scientific and Technical Co-operation between the Government of India and the Government of the French Republic signed on this seventh day of June, 1966

-.---.---.---.-

The term "expert" for the purpose of part I of the present Protocol shall mean technician, specialist, research worker, teacher, professor, scientist and others going to India or to France, with the concurrence of both the Governments and within the scope of the Cultural, Scientific and Technical Cooperation Agreement signed on this day.

The term "expert" shall not apply to scholars and trainees sent to the other country and referred to in Article VI of the Agreement.

### PART - I

#### COMMON MEASURES APPLICABLE TO EXPERTS

ARTICLE I - For missions of six months' or shorter duration, the modalities of financing, unless otherwise specified, shall be as follows:-

a) The Government of the State which sends the "expert" shall pay his salary and allowances as well as the cost of return international passage, including transport of luggage, to and from the place of his mission.

b) The Government of the receiving country shall meet the expenses on the board and lodging of the "expert", and pay a suitable pocket allowance for incidentals.

ARTICLE II - For missions of more than six months' duration, the modalities of financing, unless otherwise specified, shall be as follows:-

a) The Government of the State which sends the "expert" shall pay his air passage to the place of his mission, as well as luggage transport, including, if necessary, excess luggage charges up to 20 Kgs. by air. The Government of the country which receives the expert shall bear in the same conditions, the totality of the return air fare from the place of his mission to the capital of the country that sent him, including luggage transport (with an excess of 20 Kgs. by air).

b) The Government of the receiving country will pay the "expert" salary and allowances in local currency equal to those of its own personnel of equivalent rank or performing similar duties.



c) In case the "expert" carries out a mission exceeding one year, the Government of the country which sends him shall also pay one way air passage of his family (wife and children) as well as luggage transport including, if necessary, total excess up to 30 Kgs. by air. The Government of the receiving country will assume in the same conditions the return air fare and luggage transport of the "expert" and of his family.

ARTICLE III - Furniture, personal effects, a vehicle and professional equipment belonging to the "expert" of either country will get benefit of exemption from duties and taxes in India and France subject to the regulations in force on Indian and French territory.

ARTICLE IV - The Government of the receiving country shall bear the expenses of the "expert's" internal travel in connection with his duties and provide him with the means necessary to accomplish his mission.

ARTICLE V - (a) The receiving institutions, organisations, establishments shall provide to the "expert" benefits like leave, vacation, holidays as laid down under their rules and regulations. They shall also extend to him reasonable facilities such as use of laboratories, libraries, as may be necessary for carrying out his mission.

(b) In case the "expert" is not able to attend to his duties continuously during a period of at least two months owing to illness, the Government of the sending country shall endeavour to replace him by another "expert" of equal status and calibre.

PART - II

MEASURES APPLICABLE TO  
PLASTIC ART EXHIBITIONS

ARTICLE VI - (a) The expenses connected with the transport back and forth and the insurance of plastic art exhibitions organised within the scope of the present agreement shall be borne by the sending country. The same applies to the travelling costs of the art Adviser who may accompany the exhibitions.

(b) The receiving side shall meet all expenses connected with customs clearance, unpacking and repacking, local arrangements, in particular rent of premises, setting up and publicity, internal transport to other places in the country, insurance for the duration of the exhibitions as well as the expenses connected with the stay and travel within the country of the art adviser accompanying the exhibition.

PART - III

GENERAL

ARTICLE VII - Each contracting party will facilitate as far as possible, the settlement of financial problems raised by



the cultural activities or the technical cooperation of the other Government. It will allow in particular, in keeping with normal exchange control regulations in this respect, repatriation to the sending country of reasonable savings from remuneration made to personnel under the present Agreement.

ARTICLE VIII - Each contracting party will permit, subject to its internal legislation, duty free import of cultural material and technical equipment supplied by the other Government for the purpose of cultural and technical cooperation within the scope of the Cultural, Scientific and Technical Cooperation Agreement.

ARTICLE IX - Each contracting party will, to the extent possible, facilitate the settlement of problems raised by cultural or technical activities that the other Party will perform within the scope of the Cultural, Scientific and Technical Cooperation Agreement.

ARTICLE X - In application of the Agreement to date and on the basis of its Protocol, complementary arrangements may be concluded between the Parties in view of specifying and harmonising certain modalities of cultural, scientific and technical cooperation.

Done at Paris this seventh day of June, one thousand nine hundred and sixty six, in duplicate, one copy meant for the Indian Government and drafted in Hindi, French and English and the other for the French Government in French, Hindi and English, the Hindi and the French texts being equally authentic.

For the Government  
of India

*M. C. Chagla.*

(MOHAMEDALI CURRIM CHAGLA)  
Minister for Education

For the Government of  
the French Republic

*Jean de Broglie*

(JEAN DE BROGLIE)  
Secretary of State  
Foreign Affairs